

**Semester-III, CC-7, Section-B, Four-fold division of Varna system,
Mahabharata, Shantiparva, 72.3 to 8.**

पुरूरवा उवाच

कुतःस्विद्ब्राह्मणो जातो वर्णाश्चापि कुतस्त्रयः।

कस्माच्च भवति श्रेष्ठस्तन्मे व्याख्यातुमर्हसि॥ ३॥

बङ्गानुवादः पुरूरवा जिज्ञासा करलेंन - हे वायुदेव! कोथा थेके ब्राह्मणेर उ९पत्ति? अपर तिन वर्णो कोथा थेके उ९पत्ति हयेछे? सकल वर्णेर मध्ये ब्राह्मण केन श्रेष्ठ? এই समस्त किछु आमाके स्पष्टरूपे बले कृपा करुन।

मातरिश्वोवाच

ब्राह्मणो मुखतः सृष्टो ब्रह्मणो राजसत्तमा

बाहुभ्यां क्षत्रियः सृष्ट ऊरुभ्यां वैश्य एव च॥४॥

बङ्गानुवादः वायु प्रत्युत्तरे बललेंन - हे नृपश्रेष्ठ! ब्रह्मणेर मुख थेके ब्राह्मणेर उ९पत्ति, बाहुयुगल थेके क्षत्रियेर उ९पत्ति एवं उरुयुगल थेके वैश्येर सृष्टि हयेछिल।

वर्णानां परिचर्यार्थं त्रयाणां भरतर्षभा

वर्णश्चतुर्थः पश्चात्तु पदभ्यां शूद्रो विनिर्मितः॥५॥

बङ्गानुवादः हे भरतश्रेष्ठ! अनन्तर এই तिन वर्णेर सेवार निमित्त ब्रह्मणेर पदयुगल थेके चतुर्थ वर्ण शूद्रेर आविर्भाव हयेछिल।

ब्राह्मणो जायमानो हि पृथिव्यामनुजायते॥

ईश्वरः सर्वभूतानां धर्मकोशस्य गुप्तयो॥६॥

বঙ্গানুবাদ: ব্রাহ্মণ জন্মকাল থেকেই এই পৃথিবীতে ধর্মকোষের রক্ষার নিমিত্ত অন্য সমস্ত বর্ণের নিয়ন্ত্রণকারী হন।

অত: পৃথিব্যা যন্তারং ক্ষত্রিয়ং দণ্ডধারিণম্।

দ্বিতীয়ং বর্ণমকরোত্ প্রজানাংনুগুময়ে।।৩।।

বঙ্গানুবাদ: অনন্তর সৃষ্টিকর্তা ব্রহ্মা পৃথিবীতে শাসনকার্য এবং দণ্ডধারণে সমর্থ দ্বিতীয় বর্ণ ক্ষত্রিয়কে প্রজাগণের রক্ষার নিমিত্ত নিযুক্ত করেছিলেন।

বৈশ্যস্তু ধনধান্যেন ত্রীন্ বর্ণান্ বিধূয়াদিমান্।

শূদ্রো হ্যেতান্ পরিচরেদিতি ব্রহ্মানুশাসনম্।।৮।।

বঙ্গানুবাদ: বৈশ্য ধন-ধান্যাদির দ্বারা অপর তিন বর্ণের পোষণ করেন এবং শূদ্র অপর তিন বর্ণের সেবায় সংলগ্ন থাকবেন – এটি প্রজাপতি ব্রহ্মার আদেশ।
